खबर संक्षेप

मैहर में जय भारत मंच की प्रांतीय बैठक में संगठन विस्तार और सेवा कार्यों पर हुई चर्चा

मैहर। माँ शारदा की पावन नगरी मैहर स्थित 'माई की रसोई' में जय भारत मंच महाकौशल प्रांत की एक महत्वपूर्ण और गरिमामय प्रांतीय बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक में संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा,राष्ट्रीय महामंत्री डॉ.अर्जुन सिंह,माई की रसोई के संचालक धीरज (सौरज) पाण्डेय, महाकौशल प्रांत के संरक्षक रुद्रनाथ शुक्ला और प्रांत अध्यक्ष जगदीश दुबे विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में सभी अतिथियों और पदाधिकारियों का माँ शारदा की पावन चुनरी ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान संगठन के विस्तार, सेवा, शिक्षा और संस्कार आधारित जन कल्याणकारी गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इसके साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए महाकौशल प्रांत की भावी कार्ययोजना पर पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया गया, ताकि समाज हित में संगठन को और अधिक गतिशील व प्रभावी बनाया जा सके।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 146 आवेदकों की समस्यायें

सतना। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 146 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, सिंचाई, बिजली, पानी, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम एलआर जांगडे द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गई।

मत्स्याखेट प्रतिबंधित

सतना। वर्षा ऋतु में मछलियों के प्रजनन एवं संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश नवीन मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 (2) के अंतर्गत जिले के समस्त जल संसाधनों में 16 जून से 15 अगस्त 2026 तक बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। इस अवधि के दौरान सभी प्रकार का मत्स्याखेट (मछली पकड़ना) पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही मछलियों का विनिमय एवं परिवहन भी निषिद्ध किया गया है।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण के छात्रों की थाली में मिले कीड़े, छात्रावास में भारी आक्रोश

बालक छात्रावास में छात्रों को परोसा जा रहा कीड़ेयुक्त खाना, वीडियो वायरल होने पर हंगामा

सतना। जिले के कृपालपुर स्थित 100 सीटर पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहाँ रह रहे छात्रों को दिए जाने वाले भोजन में कीड़े मिलने के बाद छात्रावास परिसर में हड़कंप मच गया। दूषित और अस्वच्छ खाना परोसे जाने से आक्रोशित छात्रों ने प्रबंधन के खिलाफ जमकर हंगामा किया। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है,जिसने छात्रावास की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शौर्य संकल्प योजना के तहत रुके हैं छात्र

जानकारी के अनुसार,इस छात्रावास में 'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना' के तहत 45 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के लिए छात्र ठहरे हुए हैं।देश की सेवा और आत्मरक्षा का कड़ा कड़ा प्रशिक्षण ले रहे इन युवाओं को ऊर्जावान डाइट मिलने के बजाय थाली में कीड़े परोसे जा रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि भोजन की गुणवत्ता लंबे समय से बेहद खराब है,लेकिन जब आज खाने में साफ तौर पर कीड़े रेंगते हुए दिखाई दिए,तो उनके सब्र का बांध टूट गया।

प्रबंधन पर उठे सवाल

गुस्साए छात्रों ने मौके पर ही खाने की थाली का वीडियो बना लिया,जिसमें भोजन की बदतर स्थिति साफ नजर आ रही है।छात्रों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद हॉस्टल प्रबंधन उनकी सेहत और साफ-सफाई को लेकर पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है।

छात्रों की मांगः

हम यहाँ प्रशिक्षण लेने आए हैं,बीमार पड़ने नहीं। ऐसे दूषित भोजन से हमारी सेहत बिगड़ सकती है। मामले की उच्च स्तरीय जांच हो और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल,वीडियो सामने आने के बाद विभाग और प्रशासन में खलबली मची हुई है,लेकिन देखना यह होगा कि इन नौजवानों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों और वेंडर पर क्या कार्रवाई होती है।

बीएमओ की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

मझगवां सीएचसी में नियमों की धज्जियां: काउंटर पर कंप्यूटर संभाल रहा नौवीं का छात्र

बड़ा खेलः मल्टी स्किल कर्मचारी पिता की जगह नाबालिग बेटा धड़ल्ले से काट रहा था मरीजों की ओपीडी पर्चियां, वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

सतना। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां एक बार फिर अपनी बदइंतजामी और नियमों को ताक पर रखने के कारनामों को लेकर सुर्खियों में है। अस्पताल प्रशासन की एक ऐसी बड़ी लापरवाही का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है,जिसने स्वास्थ्य विभाग की सुरक्षा और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल के सबसे व्यस्त और संवेदनशील माने जाने वाले ओपीडी काउंटर पर एक नाबालिग बच्चे को बैठाकर मरीजों की पर्चियां कटवाई जा रही हैं।

भीड़ के बीच 'बालक' के भरोसे सरकारी काउंटर

मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रोजाना ओपीडी के दौरान मरीजों की भारी भीड़ उमड़ती है। औसतन 200 से 300 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं,जिससे काउंटर पर पैर रखने की जगह नहीं होती। ऐसे अफरा-तफरी वाले माहौल में प्रबंधन ने एक नाबालिग को जिम्मेदारी सौंप दी। सामने आए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि काउंटर के भीतर बैठा यह बालक खुद को नौवीं कक्षा का छात्र बता रहा है। अस्पताल परिसर और क्षेत्र में यह चर्चा आम हो गई है कि बीएमओ साहब की मर्जी हो तो चपरासी से मरीजों को ड्रिप (बोतल) लगवा दें और चाहें तो एक छोटे बच्चे से ओपीडी की पर्ची कटवा दें,साहब के राज में कुछ भी मुमकिन है।

मल्टी स्किल कर्मचारी पिता ने बेटे को सौंपी 'ड्यूटी'

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार,ओपीडी काउंटर पर रसीद काट रहा यह नाबालिग बच्चा अस्पताल में पदस्थ मल्टी स्किल कर्मचारी देवदत्त तोमर (टिंकू) का बेटा है। बताया जा रहा है कि पिता ने अपनी सहूलियत के लिए नियमों को ताक पर रखकर अपने नाबालिग बेटे को ही सरकारी कंप्यूटर पर बैठा दिया, जो बिना किसी डर के धड़ल्ले से सरकारी रसीदें काट रहा था।

त्रुटि हुई तो जिम्मेदार कौन?

ओपीडी पर्ची पर मरीज का नाम,उम्र और बीमारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दर्ज होती हैं। यदि इस नासमझ बालक से कोई बड़ी मानवीय भूल या गलत प्रविष्टि हो जाती है,तो मरीज के स्वास्थ्य के साथ होने वाले खिलवाड़ की जिम्मेदारी कौन लेगा?

सरकारी राजस्व में हेरफेर का खतराः ओपीडी में प्रति पर्ची 10 रुपये का नकद शुल्क लिया जाता है। रोजाना सैकड़ों मरीजों से आने वाला यह सरकारी पैसा यदि हिसाब में गड़बड़ होता है,तो इसका जवाबदेह कौन होगा?

बाल श्रम और नियमों का उल्लंघनः

एक संवेदनशील सरकारी संस्थान के भीतर सरेआम नियमों के विपरीत जाकर किसी नाबालिग से काम कराना कानूनी रूप से भी बेहद गंभीर और दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। क्या बीएमओ के पास स्टाफ की इतनी कमी है? इस पूरे घटनाक्रम ने अस्पताल प्रबंधन और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर की मॉनिटरिंग पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या मझगवां बीएमओ के पास कर्मचारियों की इतनी भारी कमी हो गई है कि अब उन्हें नाबालिग बच्चों से सरकारी और वित्तीय काम करवाने पड़ रहे हैं? या फिर जिम्मेदार अधिकारी सब कुछ जानकर भी आंखें मूंदे बैठे हैं? इस मामले में अब देखना यह है कि जिला स्वास्थ्य प्रशासन इस घोर लापरवाही पर क्या ठोस कार्रवाई करता है।

माँ शारदा देवी मंदिर को ट्रस्ट एक्ट में पंजीकृत कर प्राधिकरण का दर्जा दे सरकार: गौतम

मैहर। समाजसेवी रमापति गौतम ने मध्य प्रदेश शासन एवं धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग से मांग की है कि माँ शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति,मैहर को म.प्र.सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1951 के अंतर्गत पंजीकृत कर 'माँ शारदा मंदिर प्राधिकरण' घोषित किया जाए। श्री गौतम ने कहा कि उज्जैन महाकालेश्वर, चित्रकूट कामतानाथ, ओंमकारेश्वर,जैसे प्रमुख मंदिर शासन द्वारा प्राधिकरण घोषित हैं। माँ शारदा का मंदिर देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है जहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं। हजारों लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है। इसके बावजूद आज तक न तो ट्रस्ट का गठन हुआ और न ही प्राधिकरण का दर्जा मिला। मुख्य मांगों में माँ शारदा मंदिर प्रबंध समिति का ट्रस्ट के रूप में विधिवत

पंजीयन किया जाए। मंदिर एवं मैहर के अन्य प्राचीन धार्मिक स्थलों-बड़ा अखाड़ा,गोला मठ,नीलकंठ आश्रम,शीतला मंदिर, जगन्नाथ मंदिर-को मिलाकर 'माँ शारदा मंदिर प्राधिकरण' का गठन हो। प्राधिकरण के माध्यम से पानी खोह से लेकर समस्त तीर्थ क्षेत्र का संरक्षण,सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत सुविधाओं का विकास हो। क्वार एवं चैत्र नवरात्रि मेले को राजकीय मेला घोषित कर शासकीय बजट आवंटित हो। भविष्य में प्राधिकरण के अधीन श्रद्धालुओं हेतु चिकित्सालय,धर्मशाला एवं संस्कृत/खगोल अध्ययन केंद्र स्थापित किए जाएं।

शीघ्र दर्शन के नाम पर हो रही लूट बंद होः

वर्तमान में एक व्यक्ति से रपुए 1100, दो व्यक्तियों से? 2100 एवं 5 से 8 व्यक्तियों से? 5100 वसूला जा रहा है। तिरुपति बालाजी में रुपए 300 एवं कामाख्या देवी में रुपए 500 में शीघ्र दर्शन की सुविधा है। मैहर में आस्था के नाम पर यह खुला भ्रष्टाचार तत्काल बंद कर दरें युक्तियुक्त की जाएं।

फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में अपेक्षित प्रगति लायें-कलेक्टर मैहर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक संपन्न

मैहर। कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने जिले के राजस्व अधिकारियों को फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिये है। उन्होंने एसडीएम और तहसीलदार को पटवारियों द्वारा किये गये फार्मर रजिस्ट्री के कार्य की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश भी दिये है। मंगलवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन,फार्मर रजिस्ट्री,जल गंगा संवर्धन अभियान,योग दिवस की तैयारियों,जन कल्याण शिविर सहित विभागीय समन्वय के मुद्दों पर चर्चा की।इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह,एसडीएम दिव्या पटेल,सीईओ जनपद अशोक तिवारी,डीपीओ राजेन्द्र बांगरे,डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री लाजरूस केरकेट्टा,श्वेतांक चौरसिया सहित जिला स्तर के अधिकारी,विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

रंगदारी और मारपीट के मामले में 4 महीने से फरार दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

सतना। कोठी थाना पुलिस ने मारपीट और अडीबाजी (रंगदारी) के मामले में चार महीने से फरार चल रहे दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ.हंसराज सिंह के निर्देशन,एएसपी प्रेमलाल कुर्वे और एसडीओपी नागौद रघु केशरी के मार्गदर्शन में कोठी थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष तिवारी द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार,24 फरवरी को ग्राम पवैया निवासी फरियादी रामनरेश चौधरी के साथ आरोपियों ने गाली-गलौज और मारपीट की थी। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित भी किया था।शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और एससी/एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। घटना के बाद से ही आरोपी लगातार फरार चल रहे थे। 16 जून 2026 को मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को धर दबोचाः

अनुराग सिंह (21 वर्ष,निवासी लोखरिहा)विनय सिंह उर्फ रवि (26 वर्ष, निवासी पवैया)पकड़े गए आरोपी शातिर अपराधी हैं,जिनके खिलाफ पहले भी कोठी थाने में मामले दर्ज हैं। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी संतोष तिवारी,सउनि. अश्वनीधर द्विवेदी,प्र.आर. देवेंद्र सेन,आर.रामगणेश पटेल और आर. रिंकू जाटव की मुख्य भूमिका रही।

उड़द-मूंग पंजीयन तिथि बढ़ाने की मांग

उमरियापान। भारतीय किसान संघ, तहसील ढीमरखेड़ा द्वारा उड़द एवं मूंग फसलों के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर के नाम उमरियापान नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। किसान संघ तहसील अध्यक्ष बसंत मिश्रा ने बताया कि तहसील क्षेत्र के अनेक गांवों में किसानों की गिरदावरी का कार्य अभी तक पूर्ण नहीं हो सका है। जबकि उड़द एवं मूंग फसलों के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई थी। ऐसे में जिन किसानों की गिरदावरी समय पर नहीं हो पाई है, वे निर्धारित अवधि में पंजीयन कराने से वंचित रह गए हैं।

टास्क फोर्स समिति ने मैहर के 5 स्टोन क्रेशर किए सीज, अधिकारियों के संरक्षण में चल रहे थे अवैध क्रेशर

मैहर। कलेक्टर मैहर श्रीमती विदिशा मुखर्जी द्वारा गठित टास्क फोर्स समिति द्वारा तहसील मैहर स्थित स्टोन क्रेसर की जांच जारी है। आज 16 जून को की गई जाँच अनुसार,पर्यावरणीय अनुमति, वृक्षारोपण, बाउंड्रीवॉल, भंडारित किए गए खनिज की मात्रा,स्वीकृत क्षेत्र एवं डायवर्सन की स्थित,स्प्रिंकलर एवं पर्यावरण संबंधी एवं संबंधित उपकरणों की जांच की गई। जांच किए गए स्टोन क्रेशर में आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए गए। पर्यावरणीय एवं खनिज नियमों के उल्लंघन किए जाने के फलस्वरूप 05 स्टोन क्रेशर में सील बंद कर ताला लगाया गया। बताया गया है कि जय बजरंग स्टोन क्रेशर तिलोरा, विंध्य वासिनी स्टोन क्रेशर बठिया, मां शारदा स्टोन क्रेशर रेउसा,अन्नपूर्णा स्टोन क्रेशर सिरमौली,सांई स्टोन क्रेशर बठिया के जांच कर कार्रवाई की गई। बताया गया है कि सुरक्षा और पर्यावरण के मानकों का पालन नहीं करने पर प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए पांच स्टोन क्रेशर को सीज कर दिया है। जिलाधिकारी बिदिशा मुखर्जी द्वारा गठित टास्क फोर्स समिति ने यह कार्रवाई की। टास्क फोर्स की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण की सुरक्षा और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। समिति ने पाया कि ये स्टोन क्रेशर न केवल सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर रहे थे,बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा रहे थे। क्रेशर द्वारा उत्पन्न धूल और ध्वनि प्रदूषण से स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। जांच के दौरान टास्क फोर्स ने पाया कि इन इकाइयों ने मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया था। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित इकाइयों को मानकों के अनुसार कार्य करने की चेतावनी भी दी है। इस अवसर पर जांच दाल में सुश्री दिव्या पटेल एसडीएम मैहर,जितेंद्र कुमार तहसीलदार मैहर,जी के. बैगा पर्यावरण अधिकारी,महेंद्र सिंह,आशुतोष मिश्रा सहायक खनि अधिकारी, संबंधित राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी शामिल रहे।

जनता का सवाल- सिर्फ क्रेशर बंद काफी नहीं

शहर में चर्चा है कि यदि केवल क्रेशर सील होते हैं और संरक्षण देने वाले अधिकारी बच निकलते हैं,तो कुछ दिनों बाद यही क्रेशर फिर चालू हो जाएंगे। लोगों का मानना है कि स्थायी समाधान तभी होगा जब दोषी अधिकारियों के नाम सार्वजनिक किए जाएं। विभागीय जांच के आदेश तत्काल जारी हों। ईओडब्ल्यू या लोकायुक्त को शिकायत दर्ज कराई जाएं। कलेक्टर स्तर पर जिम्मेदारी तय करने की रिपोर्ट शासन को भेजी जाएं तभी आज की मेहनत रंग लाएगी।

जब नियम थे, तो निगरानी कहां थी?

पर्यावरणीय अनुमति, बाउंड्रीवॉल, स्प्रिंकलर,वृक्षारोपण और खनिज भंडारण ये सब ऐसी शर्तें हैं जिनकी नियमित जांच संबंधित विभागों की अनिवार्य जिम्मेदारी होती है। फिर भी वर्षों तक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने क्यों नहीं की कार्रवाई?खनिज विभाग के अधिकारी अनियमित भंडारण देखकर भी चुप क्यों रहे?वन एवं पर्यावरण विभाग ने अनुमति शर्तों का पालन क्यों नहीं कराया? राजस्व एवं तहसील स्तर के अधिकारी मौके पर जाकर जांच क्यों नहीं करते रहे? यह लापरवाही नहीं तो क्या यह संरक्षण है।

एनएसडी की बाल रंगमंच कार्यशाला का 'शबरी के राम' नाटक के साथ होगा समापन

सतना। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय(एनएसडी) और इंडियन ऑयल(आईओसीएल) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक माह की बाल रंगमंच कार्यशाला का समापन 17 जून को महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय के बाल्मीकि सभागार में होगा। इस अवसर पर अपराह्न 2:30 बजे से बाल कलाकारों द्वारा अभिनीत नाटक शबरी के राम का मंचन किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि सतना सांसद गणेश सिंह होंगे तथा अध्यक्षता भारतेन्दु नाट्य अकादमी के अध्यक्ष रति शंकर त्रिपाठी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलपति प्रो.आलोक चौबे और जिला कलेक्टर पुलकित गर्ग मौजूद रहेंगे।

कार्यशाला निदेशक मुस्कान गोस्वामी के निर्देशन में तैयार यह नाटक भगवान राम और माता शबरी की भक्ति व सामाजिक समरसता पर आधारित है। एक महीने तक चले इस शिविर में बच्चों को अभिनय,संगीत और व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया गया। समापन के अवसर पर एक पत्रकार वार्ता का भी आयोजन किया गया है।

खबर संक्षेप

आज महेवा में निकलेगी विशाल शोभायात्रा

अमानगंज। डॉ. बलवान सिंह राजपूत क्षत्रिय राजपूत समाज के अध्यक्ष ने बताया कि सोमवार को ग्राम पंचायत महेवा के पंचायत भवन में क्षत्रिय राजपूत समाज सेवा संगठन जिला पन्ना की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में क्षत्रिय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एवं क्षत्रिय सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती को आज दिनाँक 17 जून 2026 को ग्राम महेवा में भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया था। कार्यक्रम के तहत विशाल शोभायात्रा सहित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन किए जाएंगे।

धरमपुर थाना से स्थानांतरित पुलिस कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

अजयगढ़। जिले की पुलिस अधीक्षक (द) निवेदिता नायडू द्वारा बीते दिनों विभाग में बड़े पैमाने पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण किए गए थे। इसी क्रम में स्थानीय धरमपुर पुलिस थाने से विदा हो रहे पुलिसकर्मियों के लिए एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में धरमपुर पुलिस थाना प्रभारी अनिल राजपूत एवं स्टाफ ने स्थानांतरित होकर जा रहे साथी कर्मचारियों को फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर भावभीनी विदाई दी। सभी उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों ने उनके बेहतर कार्यप्रणाली की सराहना की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इन पुलिसकर्मियों को मिली विदाई

- हेड कांस्टेबल जीतेन्द्र मिश्रा, हेड कांस्टेबल दुलीचंद जैन, हेड कांस्टेबल राजेंद्र तिवारी, कांस्टेबल निश्चल, कांस्टेबल चन्द्र पाल एवं कांस्टेबल कमलेश को स्थानांतरित किए गए। इस मौके पर विदा हुए पुलिसकर्मियों ने धरमपुर में अपने सेवाकाल के अनुभवों को साझा किया और साथी स्टाफ द्वारा मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान थाने का समस्त स्टाफ और स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

पवई। बीते वर्षों की भांति इस वर्ष भी आगामी 16 जुलाई से शुरू होने वाली भगवान जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा को लेकर स्थानीय जगदीश स्वामी मंदिर में अनुविभागीय अधिकारी समीक्षा जैन,तहसीलदार रत्न राशि पांडे की अध्यक्षता में मंगलवार देर शाम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में रथयात्रा को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित श्रद्धालुओं, समाजसेवियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने रथयात्रा के मार्ग, सजावट, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर सुझाव दिए। समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी रथयात्रा परंपरागत मार्ग से निकाली जाएगी तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में नगरवासियों से रथयात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई। साथ ही विभिन्न जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए विभागवार जिम्मेवारी सौंपी गई।

निर्मल नीर हादसे के मृतकों के पीड़ित परिजनों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को दिया आवेदन रखी मांग

50-50 लाख रुपये मुआवजा एवं दोषियों पर कार्रवाई की मांग

पन्ना।

जनसुनवाई शिविर में ग्राम पंचायत बीहरपुरवा, जनपद पंचायत अजयगढ़ के निर्मल नीर निर्माण कार्य के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में मृत पांच मजदूरों के परिजनों ने कलेक्टर पन्ना को आवेदन देकर आर्थिक सहायता एवं दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में लेख किया गया कि 26 मई 2026 को मनरेगा योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत बीहरपुरवा में निर्माणाधीन निर्मल नीर कूप की मिट्टी धंस जाने से पांच मजदूरों दृ आशीष यादव, राजकुमार यादव, रामपाल यादव, चुन्नू यादव एवं चुनवाद पाल की मिट्टी में दबकर मौत हो गई थी।

हादसे के बाद मृतकों के परिवारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि परिवार के मुखिया की असमय मृत्यु से उनका एकमात्र सहारा छिन गया है। परिजनों ने बताया कि अब तक केवल तीन मृतक मजदूरों दृ रामपाल यादव, चुन्नू यादव और चुनवाद पाल के परिवारों को संबल योजना के तहत 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई है, जबकि आशीष यादव और राजकुमार यादव के परिवारों को अभी तक किसी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं मिली है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि का भुगतान भी अब तक नहीं किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि हादसा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही का परिणाम है। प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध न तो कोई न्यायिक कार्रवाई की गई है और न ही प्रशासनिक कार्रवाई हुई है। पीड़ित परिवारों ने कलेक्टर से मांग की है कि सभी पांच मृतक मजदूरों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, मुख्यमंत्री द्वारा घोषित सहायता राशि का तत्काल भुगतान कराया जाए तथा हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ सख्त न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जनसुनवाई में पीड़ित परिवारों की ओर से लक्खन पाल, बाबू पाल, संतोष यादव, नीरज पाल, शैलेन्द्र यादव, पप्पू यादव, राजा बूढ़ा पाल एवं रामसिंह सहित अन्य परिजन उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र न्याय और सहायता दिलाने की मांग करते हुए कहा कि उन्हें अब भी जिला प्रशासन से न्याय की उम्मीद है।

कूप निर्माण में ये अनियमितताएँ हुई प्रमाणित

मनरेगा निर्मलनीर कूप निजी भूमि मे स्वीकृत किया गया।, निर्माणाधीन कूप गत साल 2025 में भिसक गया था जिसे रिकॉर्ड में छिपाया गया।, 02 मई 2025 के बाद से कोई मस्टर जनरेट नही हुआ अर्थात एक साल से काम लगातार बंद रहा।, 02 मई 2025 तक मजदूरी मद मे निर्धारित राशि 02 लाख 26 हजार रुपए में से 01लाख 98 हजार 264 रूपए व्यय हो गई। जबकि कूप की खुदाई ही पूरी नहीं हुई मजदूरी मद में निर्धारित राशि में से लगभग 90: राशि व्यय प्रदर्शित करता है की रिकॉर्ड में खुदाई और बधाई का कार्य भी हो चुका था। अर्थात कार्य का फर्जी मूल्यांकन हुआ।, सामग्री के फर्जी देयक तैयार किये गए इसके भुगतान की प्रक्रिया प्रचलन में चल रही थी। अधिकारियों द्वारा देयकों का फर्जी प्रमाणीकरण किया गया है।, मनरेगा योजना में ठेकेदारी प्रतिबंधित फिर भी एक व्यक्ति को बिना किसी एग्रीमेंट के ठेकेदार बना दिया।

ओबीसी प्रदेश महामंत्री रावेन्द्र सिंह लोधी का पन्ना आगमन सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों पर हुई विस्तृत चर्चा

पन्ना।

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रावेन्द्र सिंह लोधी के अल्प प्रवास पर पन्ना पहुंचने पर लोधी समाज के सामाजिक बंधुओं द्वारा उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्हें पुष्पगुच्छ एवं भगवान श्री जुगल किशोर जी का छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रदेश महामंत्री रावेन्द्र सिंह लोधी ने उपस्थित सामाजिक बंधुओं से परिचय प्राप्त किया तथा मोहनराज विलास होटल में आयोजित बैठक में ओबीसी समाज के लोगों से मुलाकात की। बैठक के दौरान सामाजिक एकता, राजनीतिक सहभागिता, शिक्षा के महत्व, नशा मुक्ति अभियान तथा समाज के उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। अरविंद सिंह लोधी ने समाज के युवाओं को शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता के प्रति प्रेरित करते हुए समाज को संगठित होकर विकास की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सेवानिवृत्त सैनिक एवं सरपंच राम शिरोमणि लोधी, वरिष्ठ अधिवक्ता शारदा प्रसाद सिंगरौल, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेंद्र यादव, भाजपा महामंत्री राजेंद्र कुशवाहा, रैपुरा मंडल अध्यक्ष सुखराम लोधी, राजेंद्र सिंह लोधी (बड़ा मलहरा), अधिवक्ता सूर्य प्रताप लोधी, अदिति ऑफसेट संचालक महेंद्र सिंह लोधी, मूरत सिंह लोधी, सुशील लोधी तथा राजेंद्र सिंह लोधी सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद बी.डी. शर्मा तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रोत्साहन स्वरूप चेक वितरित किए गए

शाहनगर।

विकासखंड शाहनगर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत दक्षिण वन मंडल पन्ना के वनमंडलाधिकारी अनुपम शर्मा के निर्देशन में शासकीय बालक छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद बी.डी. शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर वन्य प्राणियों के संरक्षण एवं जैव विविधता पर आधारित एक विशेष पुस्तक का भी परिचय कराया गया, जिसमें 300 से अधिक विलुप्तप्राय एवं दुर्लभ प्रजातियों का उल्लेख किया गया है। कार्यक्रम के दौरान संदीपनी उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी विद्यालय शाहनगर के छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग वितरित किए गए। बैगों पर दक्षिण वन मंडल पन्ना का जागरूकता संदेश एवं स्टिकर अंकित था। आयोजन में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, वन विभाग के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। सांसद बी.डी. शर्मा ने अपने संबोधन में बचपन की स्मृतियां साझा करते हुए बताया कि उन्होंने छात्र जीवन में एनसीसी और एनएसएस जैसी संस्थाओं से जुड़कर विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया था। उन्होंने बताया कि छात्रावास में निवास के दौरान उनके द्वारा लगाया गया एक पौधा आज विशाल वृक्ष का रूप ले चुका है, जिसे देखकर उन्हें गर्व और संतोष की अनुभूति होती है। उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसकी देखभाल कर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखें। कार्यक्रम के अंत में तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रोत्साहन स्वरूप चेक वितरित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण और वन संपदा संवर्धन का संदेश दिया गया।

किसानों की जमीन पर कंपनी की नजर, राजस्व अमला बना रहनुमा?

ईको सीमेंट के खिलाफ किसानों का फूटा गुस्सा, बोले- खेत बचाओ, नहीं तो होगा आंदोलन

अमानगंज।

पन्ना जिले के अमानगंज और गुनौर क्षेत्र में ईको सीमेंट कंपनी को लेकर किसानों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। ग्राम गौरा, डहर्रा, पटेलपुरा और हिनौता मिश्र के किसानों ने मंगलवार दोपहर 3 बजे मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया है कि कंपनी और राजस्व तंत्र की कथित सांठगांठ से उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि पर कब्जे की पटकथा लिखी जा रही है।

किसानों का आरोप है कि जिस पत्र के जरिए उनसे जवाब मांगा गया, उसकी अंतिम तारीख पहले ही गुजर चुकी थी और पत्र बाद में चस्पा किया गया। सवाल उठ रहा है कि जब जवाब देने की तारीख निकल चुकी थी तो फिर नोटिस लगाने का उद्देश्य क्या था? किसानों का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया ष्पहले फैसला, बाद में सुनवाई की तर्ज पर चल रही है। ज्ञापन में किसानों ने आरोप लगाया है कि खेतों को बचाने की जगह राजस्व अमला कंपनी का रास्ता साफ करने में जुटा दिखाई दे रहा है। किसानों का कहना है कि उनकी जमीन केवल जमीन नहीं, बल्कि उनके परिवारों के जीवन, रोजगार और भविष्य का आधार है, जिसे वे किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिन के भीतर ईको सीमेंट कंपनी की गतिविधियों पर रोक लगाकर उनकी जमीनों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई तो भूख हड़ताल, चक्का जाम और व्यापक किसान आंदोलन शुरू किया जाएगा। किसानों का कहना है कि यदि अन्नदाता की आवाज नहीं सुनी गई तो आंदोलन की गूंज भोपाल तक सुनाई देगी। फिलहाल बड़ा सवाल यही हैकृ किसानों की जमीन बचेगी या फिर फाइलों और फरमानों के बीच उनकी आवाज दबा दी जाएगी?

पुलिस द्वारा विगत एक माह में 33 अपहृत नाबालिग बालक/बालिकाओं को देश के विभिन्न राज्यों से सकुशल दस्तयाब किया गया

पन्ना।

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस द्वारा विगत एक माह के दौरान 33 अपहृत नाबालिग बालक/बालिकाओं को देश के विभिन्न राज्यों से सकुशल दस्तयाब करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा अपहरण के मामलों में अपहृत नाबालिग बालक/बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी सुनिश्चित करने हेतु एक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान एवं समस्त एस.डी.ओ.पी. के मार्गदर्शन में सभी थाना प्रभारियों को अधिक से अधिक दस्तयाबी करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही अपहरण संबंधी प्रकरणों में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने हेतु साइबर सेल पन्ना को भी विशेष रूप से निर्देशित किया गया। महिला एवं बाल अपराधों के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए जिले में पंजीबद्ध अपहरण संबंधी प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई। थाना प्रभारियों के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमों द्वारा घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल नाबालिग बालक/बालिकाओं की तलाश प्रारंभ की गई। तकनीकी

साक्ष्यों के विश्लेषण, संभावित ठिकानों पर दबिश, मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने तथा साइबर सेल पन्ना के तकनीकी सहयोग से लगातार प्रयास किए गए। इन सतत एवं समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर सूचना एवं साइबर सेल पन्ना से प्राप्त तकनीकी सहयोग के आधार पर पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत थाना स्तर पर गठित पुलिस टीमों द्वारा महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से पन्ना जिले से अपहृत 33 नाबालिग बालक/बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब किया गया। दस्तयाब किए गए नाबालिग बालक/बालिकाओं में थाना अमानगंज क्षेत्र से अपहृत 08, कोतवाली से 06, थाना सिमरिया से 03, गुनौर से 03, धरमपुर से 02, अजयगढ़ से 02, देवेन्द्रनगर से 02, शाहनगर से 02, सलेहा से 02, रैपुरा से 02 तथा पवई से 01 नाबालिग बालक/बालिका शामिल हैं, जिन्हें सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। अभियान का मुख्य उद्देश्य अपहृत बालक-बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी, अपहरण की रोकथाम, आरोपियों की पतारसी तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करना था। पुलिस टीमों द्वारा त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए सभी नाबालिगों को सुरक्षित दस्तयाब किया गया। उक्त कार्यवाही में समस्त थाना प्रभारियों के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमों के सदस्यों एवं साइबर सेल पन्ना का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, पन्ना में प्रवेश के लिये द्वितीय चरण के रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ

पन्ना। संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश द्वारा जारी ऑनलाइन काउंसलिंग समय-सारणी (वर्ष 2026-27) के अनुसार शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, पन्ना में विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया संचालित है तथा प्रथम चरण के अलॉट्मेंट पश्चात प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है। द्वितीय चरण के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया 09 जून 2026 से 18 जून 2026 तक संचालित हो रही है। इच्छुक अभ्यर्थी इस अवधि में पंजीयन कर अपनी पसंदीदा संस्थाओं एवं पाठ्यक्रमों का चयन (बेवपबम थससपदह) कर सकते हैं। पंजीयन में सुधार (म्कपज त्महपेजतंजपवद) की सुविधा 19 जून 2026 से 20 जून 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इसके पश्चात मेरिट सूची जारी होने एवं सीट आवंटन की प्रक्रिया निर्धारित तिथियों के अनुसार पूर्ण की जाएगी। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना के प्राचार्य श्री अरविंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच संचालित हैं, इसके अलावा शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पवई में सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेली कम्यूनिकेशन ब्रांच संचालित है जिनमें प्रवेश की कार्यवाही की जावेगी। द्वितीय चरण की काउंसलिंग पश्चात संस्थागत स्तर की काउंसलिंग (ब्स्ब्) के माध्यम से रिक्त सीटों पर प्रवेश 04 जुलाई 2026 से 12 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। श्री त्रिपाठी ने बताया कि संस्थान में आधुनिक लैब, अनुभवी संकाय एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती है। क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए यह सुनहरा अवसर है कि वे समय-सीमा के भीतर आवेदन कर अपने भविष्य को नई दिशा दें। पिछले तीन वर्षों के दौरान अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों का विभिन्न मल्टीनेशनल कंपनियों जैसे सुब्रोस लिमिटेड, अडानी ग्रुप, जॉन डीयरे, अशोक लैलेण्ड, टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, आयशर, केजेएस सीमेंट, सीयट टायर रोंच पॉलीमर, माइक्रोमैक्स, त्रिशूल कंस्ट्रक्शन, मुद्रा सोलर, आदि में चयन हुआ है।

कलेक्टर ने सड़क मरम्मत सहित अन्य व्यवस्थाएं बेहतर बनाने के दिए निर्देश

रथयात्रा महोत्सव की तैयारियों के संबंध में हुई बैठक

पन्ना।

आगामी 16 जुलाई को रथयात्रा कार्यक्रम के पूर्व पन्ना में इस वर्ष भी निर्धारित तिथियों में 29 जून से विभिन्न गतिविधियां प्रारंभ हो जाएंगी। श्री जगदीश स्वामी रथयात्रा महोत्सव कार्यक्रम 2026 के गरिमामय आयोजन सहित विविध कार्यक्रमों की बेहतर व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर ऊषा परमार ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कार्यक्रम से जुड़े विभाग के अधिकारियों तथा मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर आवश्यक सुझाव प्राप्त कर समुचित प्रबंध के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती परमार ने रथयात्रा महोत्सव की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर विभागवार दायित्व सौंपे। साथ ही सड़क मरम्मत सहित विद्युत, पेयजल, चिकित्सीय व्यवस्था, साफ-सफाई, सुचारू यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक प्रबंध के निर्देश दिए। किसी भी स्थिति में भीड़ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से समझौता न हो। जिला कलेक्टर ने गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनसामान्य से पारदर्शी माध्यम से क्यूआर कोड के जरिए दान राशि प्राप्त करने की व्यवस्था को सुचारू रखने के निर्देश दिए। बैठक में रथयात्रा महोत्सव के दृष्टिगत अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में महाराजा छत्रसाल द्वितीय सहित अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे, एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, तहसीलदार अखिलेश प्रजापति, सीएमओ उमाशंकर मिश्रा, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग जे.पी. सोनकर भी उपस्थित रहे।

रथ यात्रा महोत्सव का निर्धारित कार्यक्रम-

श्री जगदीश स्वामी रथयात्रा महोत्सव अंतर्गत 29 जून को सुबह 9 बजे स्नान यात्रा के साथ निर्धारित कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके उपरांत 14 जुलाई को शाम 7:30 बजे पथ प्रसाद वितरण, 15 जुलाई को रात्रि 8 बजे धूप कपूर की झांकी होगी तथा 16 जुलाई को शाम 6:30 बजे बड़ा दिवाला से लखूरन तक रथ यात्रा निकलेगी। यहां विश्राम पश्चात 17 जुलाई को शाम 6 बजे लखूरन से चौपरा तक रथ यात्रा निकाली जाएगी। 18 जुलाई को शाम 6:30 बजे टीका पश्चात रथ यात्रा चौपरा से जनकपुर मंदिर पहुंचेगी। मंदिर में 7:30 बजे से टीका पूजन, आरती स्वागत और धार्मिक कार्यक्रम के उपरांत 19 जुलाई को सुबह 9 बजे जनकपुर मंदिर में यात्रा का प्रवेश होगा। 20 जुलाई को दोपहर में जनकपुर मंदिर में कथा पूजन एवं भण्डारा कार्यक्रम निर्धारित है। 21 जुलाई को लक्ष्मी जी की सवारी शाम 5 बजे जगदीश स्वामी मंदिर पन्ना से जनकपुर रवाना होगी। इसके पश्चात वापस पन्ना पहुंचेगी। 22 जुलाई को शाम 6 बजे रथ यात्रा वापसी जनकपुर से चौपरा तक का कार्यक्रम निर्धारित है। चौपरा में विश्राम पश्चात 23 जुलाई को शाम 6 बजे रथ यात्रा चौपरा से लखूरन पहुंचेगी, जबकि 24 जुलाई को शाम 6 बजे लखूरन से जगदीश स्वामी मंदिर पन्ना तक मंदिर के बाहर लक्ष्मी जी का संवाद कार्यक्रम होगा। मंदिर के बाहर रात्रि विश्राम के बाद 25 जुलाई को सुबह 8 बजे जगदीश स्वामी मंदिर में श्री जगदीश स्वामी जी का मंदिर प्रवेश सात मूर्ति दर्शन के साथ होकर कार्यक्रम का समापन होगा। 29 जून से 14 जुलाई तक मंदिर के पट बंद रहेंगे तथा 15 जुलाई को रात्रि 8 बजे खुलेंगे।

खबर संक्षेप

छतरपुर की आशी यादव पहले प्रयास में बनीं असिस्टेंट प्रोफेसर

छतरपुर। जिले की प्रतिभाशाली छात्रा शिवशंकर सिंह यादव की बेटी आशी यादव ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की असिस्टेंट प्रोफेसर (भूगोल) परीक्षा में पहले ही प्रयास में सफलता हासिल कर छतरपुर का नाम रोशन किया है। आशी यादव का प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रदर्शन पहले से ही शानदार रहा है। वह एमपीपीएससी राज्य सेवा परीक्षा का प्रीलिम्स 3 बार उत्तीर्ण कर चुकी हैं और तीनो बार मेन्स परीक्षा में शामिल हुई हैं। लगातार प्रयास, धैर्य और मेहनत के दम पर आशी ने अब असिस्टेंट प्रोफेसर (भूगोल) परीक्षा में पहले ही प्रयास में सफलता हासिल कर एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। उनकी इस सफलता से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। आशी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और नियमित अध्ययन को दिया है। उनकी उपलब्धि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। जिलेभर से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं और लोग उनकी सफलता को छतरपुर के लिए गर्व का विषय बता रहे हैं।

अनाथ एवं बेसहारा बेटियों के लिए उम्मीद की नई किरण, शोभा देवी सामाजिक समिति बना रही भवन

नौगांव। समाज सेवा और बेटियों के उत्थान के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही शोभा देवी सामाजिक समिति द्वारा संचालित अपना घर कन्या अनाथ आश्रम नयागांव अब एक नए स्वरूप में विकसित होकर कन्या आत्मनिर्भर संस्थान बनने की दिशा में अग्रसर है। समिति द्वारा अनाथ एवं बेसहारा बेटियों को आश्रय, शिक्षा और रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। समिति के सचिव एवं पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था वर्ष 2013 से निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में जुटी हुई है। अब तक संस्था द्वारा 11 बेटियों को सिलाई मशीन एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है, वहीं लगभग 30 बेटियों के लिए प्रति माह पांच सौ रुपये की आरडी जमा कर उनके भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।संस्था की उपलब्धियों में 42 बेटियों का विवाह कराना भी शामिल है। इसके अलावा बेटियों के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए लगभग 10 लाख रुपये की एफडी भी की गई है। संस्था की एक बेटी नर्सिंग क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रही है, जबकि एक बेटी दिल्ली की एक प्रतिष्ठित कंपनी में कार्यरत है। वहीं करीब 40 बेटियां विभिन्न विद्यालयों और कक्षाओं में अध्ययनरत हैं और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। समिति द्वारा निर्माणाधीन भवन के पूर्ण होने के बाद यहां बेटियों को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकेंगी। बुंदेलखंड क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शोभा देवी सामाजिक समिति का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए इसे मानवता की मिसाल बताया है।

बकस्वाहा में एम्बुलेंस व्यवस्था चरमराई, अधिवक्ता की मौत, प्रसव पीड़ा से तड़पती रही महिला

बकस्वाहा। बकस्वाहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एम्बुलेंस व्यवस्था की बदहाली एक बार फिर सामने आई है। सरकार द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग दिखाई दे रही है। मंगलवार को सामने आए दो मामलों ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहला मामला बकस्वाहा व्यवहार न्यायालय से जुड़ा है। अधिवक्ता सुखदेव प्रजापति सुबह करीब 11 बजे न्यायालय पहुंचे थे, तभी उन्हें अचानक सीने में तेज दर्द होने लगा। साथी अधिवक्ताओं ने तत्काल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक जांच के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण उन्हें निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाना पड़ा। रास्ते में पर्याप्त चिकित्सीय सहायता और ऑक्सीजन जैसी सुविधाएं न मिलने से उनकी मौत हो गई।

एमसीएक्स सट्टा और सुसाइड केस:

माँ की सहमति के बाद भी आरोपियों की जमानत खारिज

आरोपियों पर बढ़ाई गई इनामी राशि, 20-20 हजार का इनाम घोषित

शहर के बहुचर्चित एमसीएक्स कांड यानि की व्यापारी राजेश अग्रवाल आत्महत्या मामले में मंगलवार को एक बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। एक तरफ जहाँ पीड़ित परिवार के रुख में नरमी देखी गई, वहीं दूसरी ओर न्यायालय ने मामले की गंभीरता और तकनीकी साक्ष्यों को देखते हुए आरोपियों को राहत देने से साफ इनकार कर दिया है।

छतरपुर।

दरअसल मंगलवार को इस मामले के मुख्य आरोपी शरद अग्रवाल सहित अन्य आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई होना थी। सुनवाई से ठीक पहले मृतक राजेश अग्रवाल की 70 वर्षीय माँ ने न्यायालय में एक सहमति पत्र पेश किया, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि आरोपियों को जमानत दी जाती है, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। आमतौर पर परिवार की सहमति ही जमानत का मजबूत आधार बनती है, लेकिन इस मामले में पुलिस द्वारा पेश की गई कॉल डिटेल रिकॉर्ड यानी कि सीडीआर ने बाजी पलट दी। पुलिस ने साक्ष्यों के साथ बताया कि आरोपी सट्टेबाजी और पैसों की वसूली के लिए मृतक पर दबाव बना रहे थे। न्यायालय ने इन गंभीर प्रमाणों को आधार मानते हुए शरद अग्रवाल सहित अन्य आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। वहीं आरोपियों की जमानत याचिका खारिज होने के बाद डीआईजी विजय कुमार खत्री ने आरोपियों पर इनामी राशि बढ़ा दी है। आरोपियों पर पहले 5-5 हजार रूपए का इनाम था जिसे बढ़ाकर 20-20 हजार रूपए कर दिया गया है।

आरोपियों की जमानत पर आपत्ति लगाने वाले अधिवक्ता रवि पांडे ने बताया कि जमानत का खारिज होना न्यायालय का डिस्क्रीशन पावर है। हमारा काम उसमें पुरजोर पैरवी करना था, जो आज हमारे द्वारा की गई थी। आज शरद अग्रवाल के लिए मृतक राजेश अग्रवाल की मां के द्वारा एक एफिडेविट पेश किया गया था कि अगर जमानत होती है, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन कल भावना अग्रवाल की ओर से जो मैंने आपत्ति लगाई थी कि इन तीनों की जमानत में हमें आपत्ति है और इनकी जमानत रिजेक्ट की जाए, क्योंकि ये अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं और इनका रसूख है। निश्चित तौर पे ही इनको अगर जमानत का लाभ मिलेगा तो ये इन्वेस्टिगेशन को प्रभावित करेंगे। आज न्यायालय में अपने तर्क के दौरान इस बात पर पुरजोर जोर दिया था कि रोहित पटैरिया का जो मेमोरेंडम लिया है, उसमें इनकी पूर्ण रूप से संलिप्तता है इन आरोपियों की। और जो पुलिस के द्वारा रिकॉर्डिंग तैयार की गई है, जिसमें इन लोगों के द्वारा लगातार मृतक को धमकाया गया है और आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण किया गया है, न्यायालय के द्वारा इन्हीं तर्कों को कंसीडर करके और इन आरोपियों की अग्रिम जमानत निरस्त की गई है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर इस केस को लेकर चल रही भ्रामक खबरों ने तूल पकड़ लिया है। फेसबुक और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर कुछ अज्ञात लोग यह दावा कर रहे थे कि आरोपियों की जमानत के लिए एक बाबू के जरिए 35 लाख रुपये में डील हुई है। इन टिप्पणियों को न्यायपालिका की छवि खराब करने की साजिश बताते हुए बीते रोज छतरपुर के अधिवक्ताओं ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविंदर सिंह को ज्ञापन सौंपा था। अधिवक्ता रवि पांडे ने बताया कि इस शिकायत पर न्यायाधीश ने संज्ञान लेते हुए पुलिस को जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर बिना प्रमाण टिप्पणी करने वालों के खिलाफ स्नढ्ढक्र भी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने फरार चल रहे सट्टा माफियाओं और सूदखोरों पर शिकंजा कसने के लिए रविवार की रात और सोमवार की सुबह से छतरपुर के प्रमुख स्थानों जैसे मुख्य बस स्टैंड, चौबे तिराहा और छत्रसाल चौक पर आरोपी रोहित पटेरिया, अनवर खान, शरद अग्रवाल, सुरेश नगरिया, कल्लू कलई और मोनू उर्फ दीपक अग्रवाल के पोस्टर लगाए थे।

पत्नी की डांट से आहत युवक ने लगाई फांसी, अस्पताल में हुई मौत

छतरपुर।

नगर के वार्ड क्रमांक 11 में एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान सतीश कुशवाहा (36) पिता रामभरोसे कुशवाहा के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सतीश कुशवाहा दोपहर करीब 12:30 बजे शराब के नशे में घर पहुंचा था। इस बात को लेकर उसकी पत्नी ने उसे डांट-फटकार लगाई। बताया जा रहा है कि इसके कुछ समय बाद वह अपने कच्चे मकान की अटारी पर चला गया, जहां उसने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

परिजनों ने बताया कि घर में रखे एक ड्रम से आवाज आने पर उन्हें कुछ अनहोनी की आशंका हुई। जब वे अटारी पर पहुंचे तो सतीश फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर उपचार के लिए निजी मिशन अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आत्महत्या के कारणों की विस्तृत पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पति की हत्या के आरोपियों के परिजनों पर लगा ज़मीन पर जबरन कब्ज़े और जान से मारने की धमकी का आरोप, कलेक्टर से गुहार

छतरपुर।

महाराजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मनकारी में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ एक पीड़ित महिला ने अपने दिवंगत पति के हत्यारोपियों के परिजनों पर पैतृक ज़मीन हड़पने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में आवेदिका कपूरी देवी पत्नी स्वर्गीय राकेश पटेल ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुँचकर न्याय की गुहार लगाई और एक शिकायती आवेदन पत्र सौंपा।

कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में पीड़िता ने बताया कि ग्राम मनकारी में उनकी पैतृक व आधिपत्य की भूमि है, जिस पर वे लंबे समय से खेती करती आ रही हैं। आरोप है कि पूर्व में उनके पति राकेश पटेल की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद से पूरा परिवार गहरे सदमे और डर के साए में जी रहा है।

पीड़िता का आरोप है कि विगत दो-तीन दिन पूर्व, कथित तौर पर मूल आरोपियों की पत्नियां और बच्चे रोहित पटेल, राहुल पटेल, श्रीमती मन्नू पटेल, रेखा पटेल, गौरीबाई एवं गोमती पटेल निवासी मनकारी लाठी-डंडों के साथ खेत पर पहुँचे और जबरन ज़मीन जोतकर कब्ज़ा करने का प्रयास करने लगे। विरोध करने पर अनावेदकों ने धमकी देते हुए कहा कि अभी तो तुम्हारे पति की हत्या की थी, अगर यह ज़मीन छोड़कर नहीं गए तो तुम्हें भी जान से मारकर इसी ज़मीन में दफना देंगे। इस घटना के बाद से पीड़िता और उसके बच्चे अत्यधिक डरे और मानसिक रूप से प्रताड़ित हैं।

पीड़िता ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी स्वामित्व वाली भूमि पर जबरन कब्ज़ा करने की कोशिश को तुरंत रोका जाए और धमकी देने वाले नामजद आरोपियों के खिलाफ सख्त आपराधिक मामला दर्ज कर परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए।

वृंदावन में करंट लगने से छतरपुर के युवक की मौत

छतरपुर।

वृंदावन स्थित इस्कॉन मंदिर में दर्शन करने गए छतरपुर के एक युवक की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा सोमवार दोपहर मंदिर के मुख्य द्वार के बाहर उस समय हुआ, जब युवक भीषण गर्मी से राहत के लिए लगाए गए वाटर स्प्रे कूलर के पास पहुंचा। मृतक की पहचान छतरपुर शहर के मानव मऊ दरवाजा निवासी 21 वर्षीय अभिज्ञान गुप्ता के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अभिज्ञान गुप्ता अपने पिता अनिल गुप्ता के साथ भगवान के दर्शन करने वृंदावन गया था। दोपहर करीब 12 बजे दोनों इस्कॉन मंदिर पहुंचे। मंदिर के बाहर नगर निगम द्वारा श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत देने के लिए वाटर स्प्रे कूलर लगाया गया था। बताया जा रहा है कि अभिज्ञान कूलर के पास चप्पल उतार रहा था, तभी कूलर में उतरे करंट की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह कुछ ही सेकंड में कूलर से चिपक गया।

बेटे को करंट की चपेट में देखकर पिता अनिल गुप्ता उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन उन्हें भी करंट का झटका लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को कूलर से अलग किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस दोनों को जिला संयुक्त चिकित्सालय लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने अभिज्ञान को मृत घोषित कर दिया। वहीं पिता को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अस्पताल में गूंजती रही पिता की पुकार

बेटे की मौत की खबर सुनते ही पिता अनिल गुप्ता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अस्पताल में वह बार-बार अपने बेटे को उठाने की कोशिश करते रहे। कभी उसकी छाती दबाते तो कभी चेहरे पर हाथ फेरते हुए कहते रहे, बेटा उठ जा... पापा बुला रहे हैं। यह मार्मिक दृश्य देखकर अस्पताल में मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

छतरपुर में शोक की लहर

अभिज्ञान गुप्ता की असमय मौत की खबर जैसे ही छतरपुर के मऊ दरवाजा क्षेत्र पहुंची, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों, मित्रों और परिचितों को इस हादसे पर विश्वास नहीं हो रहा है। दर्शन करने गया युवा अब कभी वापस नहीं लौटेगा, इस दुखद घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

छात्रों की समस्याओं और रिजल्ट गड़बड़ियों को लेकर एनएसयूआई ने सौंपा पांच सूत्रीय ज्ञापन

10 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो विश्वविद्यालय घेराव की चेतावनी

छतरपुर।

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में छात्रों की विभिन्न समस्याओं एवं परीक्षा परिणामों में सामने आई गड़बडिय़ों को लेकर मंगलवार को एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन छात्र नेता सत्यम चतुर्वेदी के नेतृत्व में पूर्व एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आदर्श रावत तथा युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सचिन चौहान की विशेष उपस्थिति में सौंपा गया।

ज्ञापन में छात्रों के परीक्षा परिणामों में हुई त्रुटियों को शीघ्र सुधारने, शैक्षणिक समस्याओं का समाधान करने तथा छात्र हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई। एनएसयूआई पदाधिकारियों ने कहा कि विश्वविद्यालय के कई छात्रों के परीक्षा परिणामों में गंभीर गड़बडिय़ां सामने आई हैं, जिससे वे मानसिक एवं शैक्षणिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान उन विद्यार्थियों की ओर आकर्षित करते हुए सभी शिकायतों का शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण किए जाने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से छात्र हितों से संबंधित अन्य समस्याओं के समाधान पर भी जोर दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। एनएसयूआई पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 10 दिनों के भीतर मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो छात्र हित में व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा तथा विश्वविद्यालय का घेराव किया जाएगा।

सड़क किनारे अंडे के ठेले पर शराबखोरी से वार्डवासी परेशान

सड़क किनारे अतिक्रमण और जाम से बढ़ी परेशानी, सीएमओ से की शिकायत

हरपालपुर।

नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 6 स्थित ठंडी सड़क पर अवैध रूप से संचालित अंडे के ठेले को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी व्याप्त है। वार्डवासियों का आरोप है कि उक्त ठेले पर सुबह से लेकर देर शाम तक शराबखोरी का दौर चलता रहता है, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और आमजन को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार ठेले पर एकत्रित होने वाले लोगों द्वारा खुलेआम शराब का सेवन किया जाता है, जिससे रास्ते से गुजरने वाली महिलाओं, छात्राओं एवं अन्य नागरिकों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। वार्डवासियों ने बताया कि कई बार इस संबंध में शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि अंडे का ठेला सड़क किनारे अतिक्रमण कर लगाया गया है, जिसके कारण यातायात प्रभावित होता है और कई बार जाम जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है। मंगलवार को क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) शैलेंद्र सिंह चौहान से मुलाकात कर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने तथा सड़क से अतिक्रमण हटाने की मांग की गई।सीएमओ श्री चौहान ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिक्रमण प्रभारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं तथा शीघ्र उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया है। वहीं, मामले की सूचना स्थानीय थाने में भी दी जा चुकी है। अब नगरवासियों की निगाहें नगर परिषद की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

एनसीएल में वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह-2025 के पारितोषिक वितरण समारोह का हुआ आयोजन

(एनसीएल नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह-2025 के पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन सोमवार को खड़िया क्षेत्र में किया गया। खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस), वाराणसी क्षेत्र के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य एनसीएल सहित सिंगरौली परिक्षेत्र स्थित कोयला खदानों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सुरक्षित कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को साकार करना है। समारोह में महानिदेशक, खान सुरक्षा महानिदेशालय, उज्ज्वल ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप महानिदेशक, डीजीएमएस (उत्तरी क्षेत्र), गाजियाबाद नीरज कुमार, सीएमडी एनसीएल बी. साईराम, निदेशक (मानव संसाधन) मनीष कुमार, निदेशक (तकनीकी) आशुतोष द्विवेदी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनसीएल अजय कुमार जायसवाल, डीएमएस (खनन), वाराणसी क्षेत्र रघुपति पेट्टिरेड्डी, डीएमएस (मैकेनिकल), उत्तरी क्षेत्र, गाजियाबाद के. विजयकुमार, डीएमएस (इलेक्ट्रिकल), उत्तरी क्षेत्र, गाजियाबाद वी बेहरा, डीडीएमएस (इलेक्ट्रिकल) सुनील बी योहनान, शर्मा रंजन अनिल जैन एवं डीडीएमएस (मैकेनिकल) अनिल चौधरी सहित डीजीएमएस के अन्य प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे समारोह में में श्रमिक संघ जेसीसी सदस्य सीएमओएआई के महासचिव, सेफ्टी बोर्ड के सदस्यगण, सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक तथा मुख्यालय के विभागाध्यक्ष भी सम्मिलित हुए। साथ ही सासन पावर के सीईओ, टीएचडीसी, जेपी पावर तथा एपीएमडीसी के प्रतिनिधि, एनसीएल के सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, एनसीएल की कृति महिला मंडल की अध्यक्षा एवं उपाध्यक्षा तथा बड़ी संख्या में एनसीएल और अन्य कंपनियों के कर्मी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थितजनों ने सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा शून्य-क्षति दक्षता के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सुरक्षा शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम के शुभारंभ में 'सुरक्षा पुस्तिका' का विमोचन भी किया गया।

मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं अन्य गणमान्यों ने किया संबोधित*

वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह-2025 के पारितोषिक वितरण समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित, महानिदेशक, डीजीएमएस उज्ज्वल ता ने एनसीएल द्वारा उत्पादन के क्षेत्र में स्थापित उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उत्पादन एवं उत्पादकता के साथ सुरक्षा, स्वास्थ्य और श्रमिक कल्याण को समान प्राथमिकता देना आवश्यक है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में लापरवाही बरतने वालों को दिया नोटिस

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले 20 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिन की समय सीमा में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण में रूचि न दिखाने तथा लंबित प्रकरणों पर तत्परता से कार्यवाही न करने के कारण नोटिस दिया है। कलेक्टर ने कहा है कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण के संबंध में हर सप्ताह अधिकारियों को समीक्षा बैठक में निर्देश दिए जा रहे हैं। इन अधिकारियों द्वारा निर्देशों की लगातार अवहेलना की जा रही है जो सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में इनकी संवेदनहीनता को दर्शाता है। सुशासन में बाधा डालने के प्रयासों को अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता मानते हुए कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

कलेक्टर ने बताया कि सहायक उद्यानिकी सुश्री दीक्षा, सहायक संचालक पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण सुमन द्विवेदी, प्राचार्य आयुर्वेद महाविद्यालय डॉ. दीपक कुलश्रेष्ठ, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना रीवा ग्रामीण सपना राम तिवारी तथा प्राचार्य माडल साइंस कालेज डॉ. रवीन्द्रनाथ तिवारी को नोटिस दिया गया है। इसी तरह तहसीलदार त्योंथर राजेश तिवारी, तहसीलदार हुजूर नगर अनुपम पाण्डेय, तहसीलदार मनगवां आंचल अग्रहरी, तहसीलदार जवा जीतेन्द्र तिवारी, तहसीलदार हुजूर ग्रामीण शिवशंकर शुक्ला तथा सहायक आयुक्त आबकारी अनिल जैन को नोटिस दिया गया है। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में लापरवाही बरतने पर सीईओ जनपद जवा सुलभ सिंह पुसाम, जूनियर इंजीनियर ऊर्जा विभाग सिरमौर अभिलाष सिंह परिहार, बीएमओ त्योंथर डॉ. एसडी कोल, सीईओ जनपद रायपुर कर्चुलियान प्रदीप दुबे, सीईओ त्योंथर प्रवीण बसोड़ को भी नोटिस दिया गया है।

साफ-सफाई न होने पर एक दुकान पर हुई कार्रवाई, वेज बिरयानी में कीड़ा पाए जाने पर रेस्टोरेंट का लाइसेंस हुआ निलंबित

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशों के अनुसार खाद्य पदार्थों में मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत लगातार कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अम्बरीश दुबे ने बताया कि एक उपभोक्ता को रेस्टोरेंट स्ट्रीट किचन द्वारा जोमैटो के माध्यम से वेज बिरयानी भेजी गई थी। इसमें कीड़ा पाए जाने पर उपभोक्ता की शिकायत पर रेस्टोरेंट स्ट्रीट किचन की जाँच की गई। इसमें किचन खुले में संचालित होना पाया गया। रेस्टोरेंट में साफ-सफाई का अभाव तथा खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर स्ट्रीट किचन रेस्टोरेंट का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। आवश्यक सुधार होने तक रेस्टोरेंट को बंद कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि मिलावट से मुक्ति अभियान शहर में विभिन्न स्थानों पर बिक रहे मैंगो जूस के नमूने लेकर मोबाइल लैब के माध्यम से उनकी जाँच की गई। जाँच के दौरान सिरमौर चौराहा में शिवा जूस सेंटर तथा निरंजन मेडिकल शॉप के पास मैंगो शेक दुकान में बिक रहे मैंगो शेक के नमूने लेकर जाँच की गई। जाँच में जूस में फूड कलर, शक्कर, पानी और दूध का मिश्रण पाया गया। इसमें कोई हानिकारक केमिकल नहीं पाया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को दिया नोटिस

रीवा। जिले में नगरीय निकायों तथा पंचायतराज संस्थाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के के पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आवेदन पत्र प्राप्त करने में लापरवाही बरती गई। जिसके कारण पर्याप्त संख्या में आवेदन पत्र प्राप्त नहीं हुए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने इसे निर्वाचन कार्यों के प्रति गंभीर लापरवाही मानते हुए नगरीय निकाय एवं पंचायतराज संस्थाओं के रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिन में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने नगरीय निकायों के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नगर निगम रीवा, नगर परिषद गोविंदगढ़, नगर परिषद गुढ़, नगर परिषद मनगवां, नगर परिषद त्योंथर, नगर परिषद चाकघाट, नगर परिषद हमौरा, नगर परिषद सिरमौर, नगर परिषद बैकुण्ठपुर तथा नगर परिषद सेमरिया को नोटिस दिया है।

डभौरा के दीनानाथ-ननकी दंपती बने पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

संतान नहीं हुई तो 10 हजार पेड़ों को बनाया अपना परिवार

35 वर्षों में 105 एकड़ बंजर भूमि को जंगल में बदला

रीवा। संतान सुख से वंचित रह जाने का दर्द अक्सर लोगों को निराशा और अकेलेपन की ओर धकेल देता है, लेकिन रीवा जिले डभौरा के धुरकुच गांव के एक दंपती ने इस पीड़ा को समाज और प्रकृति के लिए प्रेरणादायक अभियान में बदल दिया। डभौरा क्षेत्र के निवासी दीनानाथ कोल और उनकी पत्नी ननकी देवी ने संतान न होने पर पेड़ों को ही अपना परिवार मान लिया और पिछले 35 वर्षों में करीब 10 हजार से अधिक पौधे लगाकर 105 एकड़ बंजर भूमि को घने और जीवंत जंगल में परिवर्तित कर दिया।

जिस भूमि पर कभी सूखी झाड़ियां, पत्थर और वीरानी दिखाई देती थी, वहां चारों ओर हरियाली की चादर बिछी हुई है। आम, आंवला, अमरूद, बेर समेत अनेक फलदार एवं औषधीय वृक्षों से आच्छादित यह क्षेत्र अब स्थानीय लोगों के बीच प्रेम वन के नाम से पहचान बना चुका है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में दंपती का यह योगदान न केवल क्षेत्र बल्कि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा का विषय बन गया है। दीनानाथ कोल बताते हैं कि विवाह के कई वर्षों बाद भी उन्हें संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ। इस कारण समाज के लोगों के ताने और कटाक्ष भी सुनने पड़े। ऐसे कठिन समय में उनकी पत्नी ननकी देवी ने उन्हें निराश होने के बजाय ऐसा कार्य करने की प्रेरणा दी, जिससे समाज में सकारात्मक पहचान बन सके। दंपती ने निर्णय लिया कि वे अपना जीवन प्रकृति की सेवा और वृक्षारोपण को समर्पित करेंगे। इसके बाद दोनों ने पौधे लगाने का जो संकल्प लिया, वह धीरे-धीरे एक जनप्रेरणा बन गया। चर्चा के दौरान दीनानाथ कोल ने बताया कि मेरी कोई

संतान नहीं है, इसलिए मैंने इन पेड़ों को ही अपनी संतान मान लिया। इन्हीं की सेवा और देखभाल में मेरा पूरा जीवन बीत गया। जब इन्हें बढ़ते और फलते-फूलते देखता हूं तो ऐसा लगता है जैसे मेरा परिवार मेरे सामने खड़ा है।

आम की गुठलियों से शुरू हुआ अभियान

दीनानाथ कोल के अनुसार वर्ष 1990 में एक कार्यक्रम से लौटते समय उन्होंने रास्ते में फेंकी गई आम की गुठलियां एकत्र कीं और उन्हें बंजर भूमि में बो दिया। शुरुआती दिनों में कई पौधे नष्ट हो गए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। लगातार पौधारोपण, संरक्षण और देखभाल के प्रयासों ने धीरे-धीरे उस क्षेत्र को हरियाली से भरना शुरू कर दिया। वर्षों की अथक मेहनत और समर्पण का परिणाम यह हुआ कि एक समय की उजाड़ और अनुपयोगी भूमि आज घने जंगल का स्वरूप धारण कर चुकी है।

संघर्षों के बीच भी नहीं छोड़ा प्रकृति का साथ

दंपती का यह सफर आसान नहीं रहा। पौधों को बचाने और सिंचाई की व्यवस्था के लिए उन्होंने अपने प्रयासों से एक कुआं खुदवाया, लेकिन बाद में उसे अतिक्रमण बताते हुए पाट दिया गया। पानी की कमी के कारण बड़ी संख्या में पौधे सूख गए, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसके बावजूद दीनानाथ और ननकी देवी ने अपने अभियान को नहीं रोका। उन्होंने फिर से पौधे लगाए और उनकी देखभाल की। वर्तमान में नलकूप स्वीकृत होने के बावजूद उसका खनन नहीं हो सका है, जिससे सिंचाई की समस्या अब भी बनी हुई है।

प्रेम वन में लौट आया वन्य जीवन

दंपती की मेहनत का सबसे बड़ा परिणाम यह है कि अब इस जंगल में जैव विविधता तेजी से विकसित हो रही है। यहां मोर, हिरण, नीलगाय, खरगोश सहित अनेक वन्यजीव और पक्षी अपना बसेरा बना चुके हैं। सुबह-शाम पक्षियों की चहचहाहट और पेड़ों की हरियाली इस क्षेत्र को प्राकृतिक आश्रय स्थल का स्वरूप प्रदान करती है। स्थानीय लोग बताते हैं कि वर्षों पहले जहां वीरानी पसरी रहती थी, वहां आज जीवन की रौनक दिखाई देती है। यह जंगल न केवल पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि क्षेत्र के तापमान संतुलन, भूजल संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन में भी योगदान दे रहा है।

परिवहन विभाग रीवा ने लगाया लर्निंग लाइसेंस शिविर 52 फेसलेश लाइसेंस बनाये गए

रीवा। परिवहन विभाग रीवा द्वारा आज कॉलेज के छात्रों के लिए जिले के पेंटियम पॉइंट कालेज में लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया।जिसमे लगभग 70 से ज़्यादा की संख्या में छात्र छात्राए उपस्थित रहे।शिविर में छात्रो को लाइसेंस स्वयं से बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया।जिसमे छात्रो को आधार कार्ड के माध्यम से उनका ऑनलाइन लाइसेंस बनाना सिखाया गया। छात्रो को यातायात और रोड सेफ्टी के बारे में भी बताया गया ।साथ ही उन्हें अपने घर परिवार के पाँच सदस्यों को भी जागरूक करने के लिए कहा गया।आज के लाइसेंस शिविर में 52 फेसलेस लाइसेंस बनाए गए।आज के शिविर में परिवहन विभाग के अलावा महाविद्यालय के संचालक श्री ब्रह्मानंद त्रिपाठी जी डाइरेक्टर श्री श्रवण त्रिपाठी, हैं प्रोफेसर दीप्ति सिंह प्रोफेसर दिव्या पांडे प्रोफेसर ऋषि मिश्रा आदि स्टाफ उपस्थित रहे।परिवहन कार्यालय से आर टी ओ रीवा सहित सुखी नंद बस एसोसिएटेड से दिलीप शर्मा टेक्निक्स श्री सचिन सोनी मिर्ज़ा हारून बेग आदि शामिल थे।सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत परिवहन विभाग के द्वारा रीवा जिले में लगातार यातायात और रोड सेफ्टी विशेषतः हेलमेट और लाइसेंस को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है

स्कूल चले अभियान के द्वितीय चरण का नवाचार, विद्यार्थियों ने भेंट किए पौधे एवं शिक्षकों ने पठन-पाठन सामग्री का किया वितरण

रीवा। आयुक्त एवं कलेक्टर के निर्देशानुसार आज दिनांक 16 जून 2026 को जन शिक्षा केंद्र शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालय महसाव रीवा में स्कूल चले अभियान के द्वितीय चरण के तहत प्रवेश उत्सव में नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों को शाला प्रवेश उत्सव के दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का रोली चंदन लगाकर स्वागत किया गया, विद्यार्थियों ने प्राचार्य एवं शिक्षकों को पौधे भेंट किए एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण करके उनके संरक्षण की शपथ ली गई। तत्पश्चात विद्यालय के कार्यक्रम में नवीन प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया एवं पठन-पाठन सामग्री उपहार स्वरूप भेंट किए गाया एवं नि :शुल्क पाठ पुस्तकों का वितरण किया गया।

प्राचार्य राजकुमार सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए, लक्ष्य निर्धारित करके भविष्य को सफल बनाने हेतु मार्गदर्शन दिया गया, एवं नवीन सत्र की शुभकामनाएं दी 1 प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में जन शिक्षक रामकृष्ण द्विवेदी, विशाल शुक्ला, राम मिलन पटेल, राजेश चौरसिया, भास्कर दत्त त्रिपाठी, ललित साकेत, विकास सिंह, माघवेंद्र द्विवेदी ,श्रीमती सुनीता पटेल, उर्मिला रवि, जानवी दुबे, रक्ष अंबिका सोनी, पुष्पा दुबे, सरिता शर्मा, रेनू वर्मा, शकुंतला प्रजापति, रामकरण कोल, दीप्ति दुबे मौजूद रहे।

जनसुनवाई में एक बार फिर उमड़ी शिकायतकर्ताओं की भीड़

कलेक्टर ने आमजनता के 758 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने आमजनता के 758 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी संवेदनशीलता और तत्परता से जनसुनवाई के आवेदन पत्रों का निराकरण करें। आमजनता शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यों के संबंध में बड़ी उम्मीद से आवेदन लेकर आते हैं। तत्परता से कार्यवाही करके आवेदक को निराकरण की जानकारी भी दें। आवेदन पत्रों के निराकरण की जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराएं।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी, डिप्टी कलेक्टर राकेश चौरसिया, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला तथा तहसीलदार अनुपम पाण्डेय ने भी सुनवाई की। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में संजय सिंह निवासी ग्राम करारी ने सीमांकन तथा युवराज सिंह निवासी ग्राम अमरकक्ष ने जमीन विवाद के निराकरण के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम मनगवां को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। शारदा विश्वकर्मा निवासी लहुरिया परासी ने श्रम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के परिपालन में घनश्याम प्रसाद गुप्ता से लंबित राशि की वसूली कराने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार मनगवां को तत्काल राशि की वसूली की कार्यवाही के निर्देश दिए। राजभान कुशवाहा निवासी रघुराजगढ़ ने बिजली तार की चोरी हो जाने पर बंद बिजली को नया तार लगाकर बहाल कराने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने अधीक्षण यंत्री ऊर्जा को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। भगवानदास पटेल निवासी बेलबा कुर्मियान ने जमीन के सीमांकन और नक्शा सुधार के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार सिरमौर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए।

पीएचडी की उपाधि में पैसों के लेनदेन के आरोपों से गरमाया विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष और बाबू आमने-सामने

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (एपीएसयू) के हिंदी विभाग में विभागाध्यक्ष और विभागीय कर्मचारी के बीच विवाद अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंच गया है। विवाद की जड़ में कथित रूप से पीएचडी उपाधि से जुड़े आर्थिक लेनदेन के आरोप हैं। दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक माहौल पर सवाल खड़े हो गए हैं।जानकारी के अनुसार हिंदी विभाग में पदस्थ कर्मचारी रामकृपाल साकेत ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुशवाहा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि विभागाध्यक्ष द्वारा पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वाले शोधार्थियों से कथित रूप से धनराशि वसूलने का दबाव बनाया जाता है।रामकृपाल साकेत का कहना है कि उन्होंने इस प्रकार के कथित लेनदेन में सहयोग करने से इनकार किया तो उनके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की गई तथा मारपीट की गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि विवाद के दौरान उनकी अलमारी से लगभग 25 हजार रुपये निकाल लिए गए।

वहीं दूसरी ओर हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुशवाहा ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए पलटवार किया है। उनका कहना है कि उनके पास एक ऑडियो रिकॉर्डिंग मौजूद है, जिसमें रामकृपाल साकेत स्वयं शोधार्थियों से पैसे मांगते हुए सुनाई दे रहे हैं। विभागाध्यक्ष का दावा है कि उक्त ऑडियो में उच्च अधिकारियों तक धनराशि पहुंचाने संबंधी बातचीत भी दर्ज है।डॉ. कुशवाहा का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि वास्तविकता सामने आ सके। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप तथ्यों से परे हैं और उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

आजादी के 78 वर्ष बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित नईगढ़ी वासी कलेक्टर से लगाई गुहार

मऊगंज। जिले के नगर परिषद नईगढ़ी के वार्ड क्रमांक 7 (कस्बा व्योहारिया नगर) के रहवासियों ने आजादी के दशकों बाद भी सड़क, बिजली, पेयजल और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित होने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर मऊगंज को आवेदन सौंपकर आवश्यक विकास कार्य कराए जाने की मांग की है।

वार्ड निवासी सीता प्रसाद त्रिपाठी द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि क्षेत्र में सैकड़ों लोग निवास करते हं और नियमित रूप से कर एवं अन्य देय राशि जमा करने के बावजूद उन्हें बुनियादी सुविधाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। आवेदन के अनुसार मोहल्ले तक पहुंचने के लिए आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ है। नदी किनारे स्थित होने के कारण बारिश और बाढ़ के समय आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित होता है। रहवासियों ने विद्युत व्यवस्था की बदहाली और पेयजल संकट का भी उल्लेख किया है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2018 से विभिन्न आवासीय योजनाओं के लिए आवेदन करने के बावजूद क्षेत्र के किसी भी पात्र गरीब परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य आवासीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल सका है।

आवेदन में प्रशासन से क्षेत्र की समस्याओं की जांच कर शीघ्र समाधान कराने की मांग की गई है। प्रमुख मांगों में सड़क निर्माण, नियमित विद्युत व्यवस्था, शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना, पात्र हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ दिलाना तथा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए आवश्यक कार्यवाही शामिल है। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि वर्षों पुरानी समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो वे लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक माध्यमों से आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

मऊगंज में आयोजित हुआ गरिमामय सम्मान समारोह सभी धर्मों एवं वर्गों के रक्तदाताओं का हुआ अभिनंदन

मऊगंज। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, मऊगंज एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय मऊगंज में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक रक्तदाता सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अगस्त 2025 में श्रद्धेय राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित रक्तदान महादान अभियान में रक्तदान करने वाले रक्तवीरों का सम्मान पट्ट एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधीश संजय जैन मऊगंज रहे। विशिष्ट अतिथियों में सुरेन्द्र जैन पुलिस अधीक्षक,पी.के. पांडे अपर कलेक्टर, ए.पी. द्विवेदी एसडीएम, सूर्यमणि शुक्ला रेड क्रॉस के प्रदेश प्रतिनिधि, रेड क्रॉस जिला सचिव एवं प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी तथा प्रमोद सिंह कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रीवा सेवा केंद्र की प्रभारी बीके लता दीदी ने की। इस अवसर पर मऊगंज सेवा केंद्र प्रभारी बीके पूर्णिमा बहन, हनुमना सेवा केंद्र प्रभारी बीके खुशबू बहन, दीपक जायसवाल एवं समस्त ब्रह्माकुमारीज़ परिवार उपस्थित रहा। मंच का सफल संचालन बीके पूर्णिमा बहन द्वारा किया गया।

सम्मानित रक्तदाताओं में रेड क्रॉस सोसाइटी के वाइस चेयरमैन एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र पयासी, विजय जायसवाल, टी.एन. मिश्रा, विपिन पांडे, प्रमोद साकेत, सुखवंत मिश्रा, पुलिस कर्मी संतोष मीणा, फिजिकल अकादमी के डायरेक्टर राजकुमार एवं उनकी पूरी टीम सहित अनेक रक्तदाता शामिल रहे। कार्यक्रम में पत्रकार बंधु, जनप्रतिनिधि, युवा वर्ग, मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग, महिला वर्ग, मजदूर वर्ग, समाजसेवी, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी तथा सभी धर्मों एवं समुदायों के लोगों की सहभागिता विशेष रूप से सराहनीय रही।

कलेक्ट्रेट कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। साथ ही क्षेत्र के अनेक समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। अपने संबोधन में कलेक्टर श्री संजय जैन ने कहा कि रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी एवं मानवीय सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सेवा, सहयोग और जागरूकता का वातावरण निर्मित करते हैं।

पुलिस अधीक्षक श्री सुरेंद्र जैन ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है जो किसी अनजान व्यक्ति के जीवन को बचाने का माध्यम बनता है। समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को विकसित करने के लिए ऐसे अभियान अत्यंत आवश्यक हैं। जब सभी धर्मों और वर्गों के लोग एक मंच पर आकर मानवता के लिए रक्तदान करते हैं, तो यह सामाजिक एकता और राष्ट्रीय चेतना का उत्कृष्ट उदाहरण बन जाता है।

अपर कलेक्टर श्री पी.के. पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्तदान वास्तव में जीवनदान है। समय पर उपलब्ध रक्त किसी व्यक्ति के जीवन को बचा सकता है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान समारोह केवल रक्तदाताओं का सम्मान नहीं बल्कि मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का सम्मान है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और नई पीढ़ी को सेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बीके लता दीदी ने कहा कि रक्तदान केवल शरीर का दान नहीं बल्कि जीवन बचाने का संकल्प है। जब मनुष्य निःस्वार्थ भाव से किसी अनजान व्यक्ति के जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान करता है, तब वह वास्तविक अर्थों में मानवता की सेवा करता है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं को आध्यात्मिक दृष्टि से समाज का सच्चा सेवाधारी बताया।

कार्यक्रम में सभी रक्तवीरों को सम्मान पट्ट एवं सम्मान पत्र प्रदान किए गए। सम्मान प्राप्त करते समय रक्तदाताओं के चेहरों पर आत्मगौरव, प्रसन्नता एवं संतोष की अनूठी मुस्कान देखने को मिली। सभी ने अनुभव किया कि समाज और राष्ट्रहित में दिया गया उनका रक्त आज सम्मान के रूप में उन्हें नई प्रेरणा प्रदान कर रहा है।वक्ताओं ने कहा कि रक्त की एक-एक बूंद राष्ट्र को समर्पितर करने का भाव ही सच्ची मानव सेवा है। रक्तदान जाति, धर्म, वर्ग और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर संपूर्ण मानवता की सेवा का माध्यम है। यही कारण है कि इस अभियान में सभी धर्मों एवं वर्गों के लोगों ने एकजुट होकर सहभागिता की और सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने भी भविष्य में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविरों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प व्यक्त किया। अधिकारियों ने कहा कि आगामी रक्तदान शिविर में वे स्वयं भी रक्तदान के लिए आगे आएंगे। जिला प्रशासन एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वावधान में निकट भविष्य में पुनः एक विशाल रक्तदान शिविर आयोजित करने की भी घोषणा की गई।

कार्यक्रम में सभी ने अनुभव किया कि इस महान सेवा कार्य की सफलता का श्रेय परमपिता परमात्मा शिव की दिव्य प्रेरणा तथा उनके सेवाधारी बच्चों के निस्वार्थ सेवा भाव को जाता है। ईश्वरीय शक्ति, सेवा, सहयोग और करुणा से परिपूर्ण यह आयोजन मानवता, विश्व बंधुत्व और राष्ट्रसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण बन गया।

मानवता की सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है के संदेश के साथ कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समापन हुआ।

रक्तवीरों का किया गया सम्मान

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के द्वारा रक्तवीरों को सम्मान प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया गया। जिन्हें सम्मानित किया गया उनमें जिलाधीश संजय जैन,अपर कलेक्टर पीके पांडे ,एसडीएम ए पी द्विवेदी ,एसपी सुरेंद्र जैन, सुरमनी रेड क्रॉस जिला सचिव, प्रमोद सिंह कोषाध्यक्ष, राजेंद्र प्यासी रेड क्रॉस सोसाइटी के वाइस चेयरमैन एवं वरिष्ठ पत्रकार, प्रमोद कुमार सिंह, नितिन मिश्रा, आनंद सिंह, त्रयंबक चतुर्वेदी, रंजन सिंह, दशरथ गुप्ता, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, अभिलाष सोनी, एडवोकेट संतोष सोनी,, अमर गुप्ता, श्रीनिवास त्रिपाठी, राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, फिजिकल अकादमी के डायरेक्टर राजकुमार जायसवाल, रोहित प्रजापति, दीपक द्विवेदी एवं उनकी समस्त टीम पवन कुमार,इंदु गुप्ता, दीपक जायसवाल, सतीश मिश्रा अंशी सिंह कृतिका सिंह राजकुमार कुशवाहा भारती कुशवाहा कृष्णा चौरसिया सुधीर कॉल हेमराज पांडे रामनरेश यादव राजीव सेन आदित्य गुप्ता मनीष प्रगति सिंह संतोष मीणा क्षेत्र के समस्त समाज सेवी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे सैकड़ो प्रमाण पत्र समाज सेवी एवं जनप्रतिनिधियों को प्राप्त कराया गया।